पत्रिका PLUS

Jaipur . Friday 27/10/2017

citylite 22 square 23 screen play 24

rajasthanpatrika.com/entertainment

TODAY'S ATTRACTION

इनॉग्रल सेशन

समय : 3:30 से 4:00 बजे

पं. जसराज का प्रसून जोशी से कन्वर्सेशन एंड कॉन्सर्ट
शाम 4 से 6 बजे

ओपनिंग कॉन्सर्ट 'ओडिसी'

समय : शाम 7 से रात 9 बजे

शुजात खान, हरिहरन, कौशिकी चक्रवर्ती, जॉर्ज ब्रूक्स, अजय प्रसन्ना, अमित चौबे एंड लेस्ले लुईस

पपोन का कॉन्सर्ट

समय : रात 9:30 से 10:15 बजे

द स्पिरिट ऑफ म्यूजिक

समय : रात 10:15 से 11:15 बजे

जैज : वसुंधरा वी

सिडक्शनः कौशिकी चक्रवर्ती

समय : रात 10:45 बजे से मिडनाइट

पत्रिका डॉट कॉम पैट्रन इंडिया म्यूजिक समिट आज से, सच्चे सुरों से महकेगी पिंकसिटी, 40 से अधिक जाने-माने कलाकार आएंगे

तीन दिन संगीत सितारों के नाम, होगा सुर-संगम

म्यूजिक का सबसे बड़ा मंच पत्रिका डॉट कॉम पैट्रन एमटीवी इंडिया म्यूजिक समिट शुक्रवार से कूकस स्थित होटल फेयरमोंट में शुरू होने जा रहा है। समिट में देश-दुनिया के नामचीन कलाकार परफॉर्म करेंगे, वहीं विभिन्न सेशंस में संगीत से जुड़े मुद्दों पर राय रखेंगे। तीन दिवसीय इस म्यूजिक समिट में पं. जसराज, हरिहरन, शुजात खान, कौशिकी चक्रवर्ती, अजय प्रसन्ना, जॉर्ज ब्रूक्स, सोना महापात्रा, प्रसून जोशी, पं. छन्नूलाल मिश्र जैसे कई कलाकारों से मुखातिब होने का मौका मिलेगा और संगीत की दुनिया में आ रहे बदलावों को समझने का अवसर भी मिलेगा।

City **LIVE**

पं. जसराज भजन से देंगे गिरिजा देवी को ट्रिब्यूट, ठुमरी सुनाएंगी कौशिकी चक्रवर्ती

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● मौजूदा दौर में संगीत की कोई कमी नहीं है, तरह-तरह के माध्यमों से यह लोगों तक पहुंच रहा है, जरूरत है तो कुछ वक्त निकालने की और म्यूजिक को आत्मसात करने की। संगीत के नाम कुछ दिन करने के उद्देश्य से ही इंडिया म्यूजिक समिट की शुरुआत हो रही है। इसमें देशभर के नामचीन कलाकार अलग-अलग हिस्सों से जुड़ रहे हैं और एकाकार होकर ऑडियंस से रूबरू होने वाले हैं, यही हमारी उपलब्धि है। यह कहना है, गीतकार और फिल्म सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी का। पत्रिका डॉट कॉम पैट्रन एमटीवी इंडिया म्यूजिक समिट में शिरकत करने आए प्रसून के साथ म्यूजिशियन जॉर्ज ब्रूक्स, शुजात खान और लेस्ले लुईस ने पत्रिका प्लस से अनुभव शेयर किए। समिट में हिस्सा लेने ख्यातिप्राप्त क्लासिकल सिंगर पं. जसराज भी गुरुवार को जयपुर पहुंच गए।

म्यूजिक समिट में हिस्सा लेने आए गीतकार प्रसून जोशी, म्यूजिशियन जॉर्ज ब्रूक्स, शुजात खान और लेस्ले लुईस ने पत्रिका प्लस से साझा किए अनुभव, शास्त्रीय गायक पं. जसराज भी पहुंचे जयपुर

विवादों से नहीं, विचार-विमर्श से सुलझाना है

प्रसून ने कहा कि फिल्में समाज का हिस्सा हैं और यह आम अभिव्यक्ति है, जिसे लोग डिफरेंट अंदाज में रखते हैं। बस, इन मुद्दों को संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्वों को ध्यान में रखते फिल्मों में रखना जरूरी है। कलाकार होने के नाते यही हमारा उद्देश्य है कि सब अपनी बात कह सकें, लेकिन संतुलन के साथ। सेंसर बोर्ड में रहकर समस्याओं को विवादों के साथ नहीं, विचार-विमर्श करके सुलझाना है। उन्होंने कहा कि आज पुराने गानों को नए अंदाज में पेश करने जो दौर चला है, वह नई पीढ़ी के हिसाब से सही है। बस, गानों के मूल स्वरूप या आत्मा के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। यदि उसकी आत्मा को ही छेड़ा जाता है, तो मुझे पर्सनली बहुत दुख होता है। इस दौर में लोग गानों की लिरिक्स पर सवाल उठा रहे हैं और पार्टियों में उन्हीं गानों पर डांस कर रहे हैं। यदि गाने के बोल गलत हैं, तो लोगों को सुनना ही नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि लोक संगीत को अतीत का समझा जाता है, जबकि यह हमेशा वर्तमान के साथ चलता है। यह कभी अशक्त नहीं हो सकता, वर्ना संस्कृति भी अशक्त हो जाएगी।

दिल से पक्का राजस्थानी हूं

म्यूजिशियन लेस्ले लुईस ने कहा कि माउंट आबू में पढ़ाई करते हुए ही म्यूजिक से प्यार हो गया। राजस्थान के जंगलों में रावणहत्था सुनने का जो आनंद आता था, उसके आकर्षण ने ही म्यूजिक के करीब कर दिया। मैं दिल से पक्का राजस्थानी हूं, इसलिए हमेशा अपना फैशन स्टाइल राजस्थानी अंदाज में ही रखता हूं। वैसे पहले बहुत से लोगों के साथ मिलकर काम किया और खुद को पीछे रखा, अब खुद के लिए काम कर रहा हूं। पांच गानों का एलबम रिलीज करने वाला हूं। वैसे अब कलयुग आ गया है, जहां लता मंगेशकर को नम्बर वन कहा जा रहा है, वहीं रियलिटी शो के विजेताओं को नम्बर वन की उपाधि दी जा रही है। जो लोग लता के गाने गाकर खिताब जीत रहे हैं, वे लताजी से आगे कैसे हो सकते हैं। यह दौर फोक म्यूजिक के साथ एक्सपेरिमेंट करने का है, जिसके जरिए यंगस्टर्स को फोक से जोड़ सकें।

राजस्थान संगीत के क्षेत्र में बहुत आगे

सेक्सोफोन प्लेयर जॉर्ज ब्रूक्स ने कहा कि इंटरनेशनल और इंडियन म्यूजिक में आ रहे बदलाव तरक्की की कहानी बयां कर रहे हैं। यंगस्टर्स को म्यूजिक की नई-नई विधाओं के साथ जोड़ने के लिए नित नए प्रयोग हो रहे हैं। राजस्थान का म्यूजिक विश्व में अपनी पहचान रखता है और यहां के कलाकार कोने-कोने में म्यूजिक की स्वरलहरियों को फैलाने का काम कर रहे हैं। मैं अलग-अलग विधाओं के म्यूजिक को सीखने में दिलचस्पी दिखाता हूं, जैज के बाद वेस्टर्न म्यूजिक की ट्रेनिंग ली और अब विभिन्न देशों के म्यूजिक को आत्मसात करता रहता हूं।

घरानों से फर्क नहीं पड़ता, परफॉर्मेंस मायने रखती है

सितार वादक शुजात खान ने कहा, 'कई कलाकार कहते हैं कि हमारी 8 पीढ़ियों से संगीत चल रहा है, कोई 36 पीढ़ियों से अपने घराने के बारे में बताता है। हमारे परिवार की 4 पीढ़ियों के कमर्शियल रिकॉर्ड्स आज अवेलेबल हैं, लेकिन मैं यह कहता हूं कि घराने या पीढ़ियों के म्यूजिक से पर्क नहीं पड़ता, मंच पर कौन है और कैसा परफॉर्म कर रहा है? इससे फर्क पड़ता है। हमारा परिवार गायकी अंग को प्रभावी बनाते हुए इस पर विशेष काम कर रहा है। इंस्ट्रूमेंट्स के जरिए वोकल कनेक्ट करना ज्यादा असरदार रहता है। अल्फाज सही हैं तो म्यूजिक दिल में उतर ही जाता है। आज अल्फाजों में बदलाव आया है, इसलिए ऑडियंस को लड़ाई लड़नी चाहिए और मां व बेटी के साथ जिन गानों को सुन सकें, उन्हें ही पसंद करना चाहिए।

स्टार्टअप को लेकर कॉन्सेप्ट क्लीयर नहीं है : डॉ. आहूजा

दो दिवसीय सीए कॉन्फ्रेंस के आखिरी दिन एक्सपर्ट्स ने रखे विचार

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● सरकार बेनामी संपत्ति को लेकर काफी सख्त है। ऐसे में जरूरी है कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स बेनामी संपत्ति की ऑडिटिंग के दौरान विशेष खयाल रखें। ऐसे इश्यूज में सभी पहलुओं को समझकर आगे बढ़ना ही एक प्रोफेशनल की सोच और समझ को बताता है। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ओर से बिड़ला सभागार में आयोजित दो दिवसीय सीए कॉन्फ्रेंस के आखिरी दिन नई दिल्ली से आए एक्सपर्ट गिरीश आहूजा ने विचार रखे। बेनामी संपत्ति पर विचार रखने के बाद उन्होंने स्टार्टअप से जुडे इश्यूज पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में स्टार्टअप को लेकर लोगों में अब भी कॉन्सेप्ट क्लीयर नहीं हैं। लोग इसे फंडिंग सोर्स मानते हैं।

ज्यादातर स्टार्टअप इसलिए फेल हो रहे हैं, क्योंकि फंडिंग आते ही स्टार्टअप बंद कर दिए जाते हैं। स्टार्टअप का मतलब फंडिंग नहीं, बल्कि एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देना और लोगों को एंटरप्रेन्योर के तौर पर स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के लिए यह अच्छा समय है। स्पीकर्स का वेलकम जयपुर चैप्टर प्रेसिडेंट अभिषेक शर्मा और सेक्रेटरी संजय माहेश्वरी ने किया।

रिवर्स चार्ज से मिस मैच की समस्या

अगले सत्र में सूरत से आए अवनीश पोद्दार ने जीएसटी एक्ट के नए प्रावधानों पर चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि रिवर्स चार्ज को मार्च तक हटाने की बात हो रही है। इससे स्मॉल बिजनेस को फायदा होगा, लेकिन बैलेंस शीट में मिसमैच की समस्या आ सकती है।

जयपुर आईं सिंगर नेहा कक्कड़ ने शेयर किए एक्सपीरियंस

इमोशनल हूं, लेकिन बतौर जज इमोशंस दूर रखती हूं

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● इंडस्ट्री में कॉम्पीटिशन बढ़ रहा है, लेकिन इसे पॉजिटिव सेंस में लेना चाहिए, क्योंकि म्यूजिक लवर्स के लिए अच्छी बात है। म्यूजिक लवर्स के पास आज बहुत ऑप्शन हैं। जहां तक चैलेंजेज की बात है, हर सिंगर को अपनी यूनीकनेस को कायम रखते हुए इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप खुद को तैयार करना जरूरी है। रियलिटी शो 'सारेगामापा-लिटिल चैम्प्स' की शूटिंग के लिए जयपुर आईं सिंगर नेहा कक्कड़ ने गुरुवार को कहा कि रियलिटी शो लोगों को प्लेटफॉर्म देते हैं, लेकिन मैंने कंटेस्टेंट से लेकर जज तक के सफर में समझा है कि इंडस्ट्री में खुद को एक्टिव रखना सबसे जरूरी है। मैं मानती हूं कि सोशल मीडिया पर मेरी एक्टिवनेस ने भी मुझे काफी फायदा पहुंचाया है। सक्सेस या कॅरियर ग्रोथ को कायम रखने के लिए हर जगह अलग फॉर्मूला हो सकता है, लेकिन इसके लिए तीन चीजें हार्डवर्क, टैलेंट और लक बेहद इम्पॉर्टेंट है। मैं इस मामले में खुद को खुशकिस्मत मानती हूं।

इंस्टीट्यूशन हैं रियलिटी शोज

रियलिटी शोज सिर्फ हार-जीत का ही मंच नहीं हैं, बल्कि ऐसे लोग जो सिंगिंग में कॅरियर बनाना चाहते हैं और जिनमें टैलेंट है, उन्हें निखारने वाले इंस्टीट्यूशन हैं। जहां इंडस्ट्री के जाने-माने लोग ऐसे बच्चों और कंटेस्टेंट्स को गाइडेंस देते हैं। पैरेंट्स को चाहिए कि वो इसी तरह से लें।

बच्चों को मिस करूंगी

मुझे इस बात की बेहद खुशी होती है कि मैं ऐसी फीमेल सिंगर हूं, जिसे काफी अच्छे ऑफर मिल रहे हैं। हाल ही 'जुड़वां 2' में तीन गाने एक साथ मिले। यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। शोज में बार-बार इमोशनल होना मेरा नेचर है। हां, मैं इमोशनल हूं, लेकिन जज के तौर पर इमोशंस को दूर कर ही अपना फैसला रखती हूं। शो के बाद सबसे ज्यादा एक चीज को मिस करूंगी, वो हैं सभी कंटेस्टेंट बच्चे।

ग्रैंड फिनाले में टैलेंट दिखाने को तैयार डांसर्स

महाराणा प्रताप सभागार में कल आयोजित होगा फिनाले कॉम्पीटिशन

The dancing Stars

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● पाई की ओर से आयोजित 'द डांसिंग स्टार्स' का ग्रैंड फिनाले शनिवार को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। फिनाले में राजस्थान के 9 जोन से आने वाले 53 फाइनलिस्ट 'द डांसिंग स्टार्स' टाइटल के लिए टैलेंट दिखाएंगे। कार्यक्रम में पार्टिसिपेंट्स के पैरेंट्स, गार्जियन, फ्रेंड्स शामिल हो सकेंगे। जूरी पार्टिसिपेंट्स की डांस टेक्निक, कोरियोग्राफी, सिंक्रोनाइजेशन, एक्सप्रेशन और कॉस्ट्यूम जैसे पहलुओं को जज करेंगे।

ये हैं फाइनलिस्ट

सोलो वेस्टर्नः चिन्यम खंडेलवाल, खुशी शर्मा, रजत सिंह, जितेश खूंटेटा, अरविंद सिंह, एजाज आलम, विष्णु पांचाल, नमन गुप्ता, साजन डागर, अकबर खान, शाहरुख, निमिषा शर्मा, प्रदीप मौर्य, निखिल सिंह, सुरुचि, सचिन कुमार, हिमांशु शर्मा, अभिषेक अग्रवाल, सुमित वर्मा, अविनाश शर्मा, तन्वी सक्सेना, दीपांश, तनिष्का मीणा, येशु भार्गव, स्पर्श, सपना बैद, यूसुफ।

सोलो क्लासिकलः कर्णिका गोयल, इंकृति जैन, अनुकृति, हर्षिता शर्मा, रिजवाना बानो, अदिति, युक्ति, चंद्र, श्रेया मेहता, जयती मुखर्जी, रुनझुन घोष, भूमिका टांक

ग्रुप वेस्टर्नः अर्बन डांस क्रू, कुश के क्रैकर्स, फॉरएवर डांस क्रू, डेनियल देव डांस कंपनी, रॉकस्टार, स्टबियंस

ग्रुप क्लासिकलः अनुकृति एंड ग्रुप, कथक आश्रम, मस्तानी ग्रुप

ग्रुप फोकः भांगड़ा फ्रीक्स, अनिमा डांस ग्रुप, कमल डांस ग्रुप, आरजे वोमनिया, रुनझुन ग्रुप

फिनाले की जानकारी के लिए 9571777333, 9828513322 पर संपर्क कर सकते हैं।

'जिंदगी...' से व्यवस्था पर किया कटाक्ष

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● देश के पढ़े-लिखे युवाओं के पास काम का कोई अनुभव भले ही न हो, लेकिन बेरोजगारी का अनुभव जरूर मिल जाएगा... कुछ ऐसे ही तीखे संवादों के साथ रवीन्द्र मंच के मिनी थिएटर में गुरुवार को हास्य नाटक 'जिंदगी एक गुच्छा' खेला गया, जिसमें देश की बड़ी समस्या बन चुके बेरोजगारी के मुद्दे को उठाया गया। अलारिपु संस्था की ओर से कैलाश सोनी लिखित-निर्देशित नाटक में बेरोजगारी का दंश झेल रहे युवाओं की स्थिति और समस्याओं को हास्य व्यंग्य के माध्यम से कलाकारों ने दर्शकों के बीच रखा।

ANCHOR

पाई स्कूल ओलम्पिक में दिखेगा स्पोर्ट्स टैलेंट

एमएमएस स्टेडियम के स्पोर्ट्स ग्राउंड में 6 से 11 नवम्बर तक होगा आयोजन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● स्फूर्ति व जोश से लबरेज टीनेजर्स और खेल स्पर्द्धाओं में प्रतिभा का असीम मंच गुलाबीनगर में सजेगा। जहां एक ओर दौड़, कबड्डी, फुटबॉल और बास्केटबॉल में स्टूडेंट्स अपना दमखम दिखाएंगे, वहीं शतरंज की चालों में प्लेयर्स अपनी बुद्धिमता और तार्किकता का परिचय देंगे। मौका होगा, 6 से 11 नवम्बर तक एसएमएस स्टेडियम के स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित होने वाले पाई स्कूल ओलम्पिक का। इसमें बड़ी संख्या में स्कूली स्टूडेंट्स स्पोर्ट्स एक्टिविटीज में अपनी प्रतिभा से शहरवासियों को रूबरू करवाएंगे। प्रतियोगिता को लेकर अभी से ही स्टूडेंट्स का उत्साह चरम पर है। यह आयोजन राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् के सहयोग होगा।

फाइल फोटो

दो एज ग्रुप के स्टूडेंट्स करेंगे पार्टिसिपेट

पाई स्कूल ओलम्पिक के लिए दो एज ग्रुप बनाए गए हैं, जिसमें 14 साल तक (छठी से 8वीं क्लास) और 18 साल तक (9वीं से लेकर 12वीं क्लास) के स्टूडेंट्स शामिल हो सकते हैं। इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं और इसमें स्टूडेंट्स व स्कूल के लिए किसी भी तरह की रजिस्ट्रेशन फीस नहीं रखी गई है। प्रतियोगिता के तहत एथलेटिक्स (100, 200, 400, 800 मीटर, चार गुणा 100 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले दौड़, लॉन्ग जम्प, हाई जम्प, शॉटपट और जैवेलियन थ्रो), वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, फुटबॉल, हैंडबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, हॉकी, खो-खो, शतरंज, जूडो, टग ऑफ वॉर जैसे गेम आयोजित होंगे।

इनमें मिलेगी ट्रॉफीज

सर्वाधिक प्रतिनिधित्व के लिए

सबसे ज्यादा मैच जीतने के लिए

सुपर स्कूल ट्रॉफी, पाई स्कूल ओलम्पिक के ग्रेडिंग सिस्टम के आधार पर।

एज ग्रुप : अंडर 14 (कक्षा 6 से 8 तक के स्टूडेंट्स)

- अंडर 18 (कक्षा 9 से 12 तक के स्टूडेंट्स)
- नॉकआउट आधार पर होंगे सभी मुकाबले
- स्कूलों के नियमित स्टूडेंट्स ही ले सकेंगे हिस्सा

यहां कर सकते हैं सम्पर्क पाई स्कूल ओलंपिक के लिए pie@epatrika.com के साथ कमलेश शर्मा (8387907980) और अमिताभ भार्गव (9828513322) से भी सम्पर्क कर सकते हैं।

कपिल शर्मा आज आएंगे जयपुर

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● कॉमेडियन-एक्टर कपिल शर्मा शुक्रवार को पिंकसिटी में होंगे। वे यहां अपनी अपकमिंग फिल्म 'फिरंगी' का प्रमोशन करेंगे और मीडिया व फैंस से अनुभव शेयर करेंगे। राजीव ढिंगरा निर्देशित फिल्म में उनके साथ इशिता दत्ता, मोनिका गिल, कुमुद मिश्रा और अंजन श्रीवास्तव अहम भूमिका में हैं। गौरतलब है कि कपिल इस फिल्म के प्रोड्यूसर भी हैं। फिल्म की शूटिंग राजस्थान में भी हुई है।